2022 तक 100 मिलियन होगी घरों की संख्या

मुंबई, जेएनएन। यह कोई परम रहस्य नहीं है कि भारत की बढ़ती आबादी को भी रहने के लिए एक आवास की जरूरत है। एक रिपोर्ट के मुताबिक खरीदने योग्य घरों की संख्या वर्ष 2022 तक 100 मिलियन के जितनी ऊंची हो सकती है। यह कहना है रिलायंस होम फायनेंस के सीईओ रवींद्र सुधालकर का। रवींद्र के अनुसार मांग और आपूर्ति कानून के विपरीत, इस बढ़ती हुई मांग ने वास्तव में आवास इकाइयों की बिक्री को भारी मात्रा में बढ़ाया तो नहीं है।